फायनैंस कम्पनी ने मकान सीज किया, तनाव में युवती ने जहर खाकर जान दी

मृतका के पिता ने वर्ष 2021 में फायनैंस कम्पनी से सात लाख का लोन लिया था

कोटा, (निसं)। बूंदी के तीरथ गांव में फायनैंस कम्पनी ने मकान सीज किया तो तनाव में आकर युवती ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिसे अचेतावस्था में उपचार के लिये परिजनों ने एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां युवती ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतका तीरथ गांव निवासी दिव्या मीणा (21) है। कोटा के एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर परिजनों व ग्रामीणों ने फायनैंस कम्पनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए हंगामा किया।

हंगामे की सूचना पाकर केशवराय पाटन थानाधिकारी देवेश भारद्वाज भी मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की। ग्रामीणों ने पीड़िता के परिवारजनों को उचित मुआवजा देने, सीज किये गये मकान को खोलने और लोन की किश्त माफ करने की मांग को लेकर शव उठाने से इंकार कर दिया। वहीं कुछ ग्रामीणों ने तीरथ गांव के समीप हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस उपअधीक्षक मौके पर पहुंचे। लोगों ने समझाइश के कुछ समय बाद ही जाम को खोल दिया। वहीं पोस्टमार्टम रूम के बाहर तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे। बाद में सीज मकान की चाबी मिलने पर परिजन मृतका के शव को लेकर रवाना हुए।

युवती की मौत के बाद मांगों को लेकर ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया।

मृतका के चाचा जगदीश मीणा ने बताया कि युवती दिव्या मीणा के पिता रमेश उर्फ महेश मीणा दूध बेचने का काम करते हैं। महेश ने साल 2021 में होम लोन के लिये फायनैंस कम्पनी से सात लाख का लोन लिया था। लोन की 17 किश्त भी चुका दी थी लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते महेश लोन की किश्त नहीं चुका पा रहा था। लोन की किश्त चुकाने को लेकर बैंक कर्मचारियों द्वारा बार-बार उसके परिवार पर दबाब बनाया जा रहा था, जिसके चलते 18 माह पूर्व महेश की पत्नी ने भी सुसाइड कर लिया था। परिजनों ने बताया कि शनिवार को फाईनेंस कम्पनी के कर्मचारी गांव में आये और परिवार के बिना अनुपस्थिति में मकान को सीज करके चले गये। चाचा ने बताया कि जब बैंक कर्मचारियों को फोन पर थोड़े समय के लिये रुकने को कहा भी लेकिन कर्मचारी नहीं माने और मकान को सीज कर दिया और सूचना पर जब दिव्या खेत से घर पहुंची तो मकान को सीज में देखकर तनाव में आ गई। युवती ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया जिसे अचेतावस्था में उपचार के लिये कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां युवती ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

केश्वरायपाटन थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि तीरथ निवासी महेश मीणा ने फायनैंस कम्पनी से करीब सात लाख का लोन लिया था। लोन की रिकवरी के लिये किश्तें नहीं चुकाने पर बैंक द्वारा महेश के मकान की कुर्की की गई थी। महेश की बेटी दिव्या ने जहर खा लिया। जिसकी इलाज के दौरन मौत हो गई। थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जायेगी।

- **लोन की 17 किश्त भी चुका दी थी लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते किश्त नहीं चुका पा रहा था**
- **लोन की किश्त चुकाने को लेकर बैंक कर्मचारियों द्वारा बार-बार परिवार पर दबाब बनाया था, जिसके चलते 18 माह पूर्व पत्नी ने भी सुसाइड कर लिया था**

परिजनों के कोटा आने पर मृतक छात्र का पोस्टमार्टम हुआ

- **परिजनों ने आरोप तो नहीं लगाए, लेकिन जांच की मांग की है, पिता ने बताया है कि बच्चा कभी-कभी फोन करके मन नहीं लगने की बात कहता था**
- **कोटा में जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे 16 साल के स्टूडेंट ने छठी मंजिल की बालकनी से छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया था**

कोटा, (निसं)। कोटा में जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे 16 साल के स्टूडेंट के सुसाइड केस में परिजन रविवार को मध्यप्रदेश से कोटा पहुंचे। परिजनों की मौजूदगी में कोटा के एमबीएस अस्पताल में स्टूडेंट के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मृतक कोचिंग स्टूडेंट के पिता इंद्रदेव ने कहा कि मैंने ये महसूस किया है कि बच्चे के साथ गार्जियन या मम्मी-पापा जो भी हो साथ में रहे तो ज्यादा बेहतर हैं। कम उम्र में बच्चे नादान होते हैं, पहले तो 10वीं-12 वीं के बाद जेईई-नीट की तैयारी होती थी। अभी तो कम उम्र में तैयारी शुरू कर देते हैं। ऐसे में बच्चों पर प्रेशर बढ़ जाता है। मेरा सुझाव है कि पहले जैसा सिस्टम चल रहा था वो ठीक था। पहले 12वीं के बाद ही बच्चों को मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए भेजा जाता था। कम उम्र में बच्चों में परिपक्वता नहीं आ पाती। उस वजह से उसकी सोच बदल जाती है। विवेक के पिता इंद्रदेव रेलवे में सीनियर सेक्शन इंजीनियर है। विवेक से छोटा एक भाई है। उन्होंने कहा कि कैसी भी परिस्थिति हो गार्जियन या माता-पिता बच्चों के साथ जरूर रहें। बच्चे नादान होते हैं, कम उम्र में प्रेशर में भी बढ़ जाता है। इसके बाद ऐसा कदम उठा लेते हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

जवाहर नगर थाना एसआई गोपाल लाल ने बताया कि स्टूडेंट विवेक कुमार (16) मध्यप्रदेश के अनूपपुर का रहने वाला था। अप्रैल 2024 में कोटा आया था। ओल्ड राजीव गांधी नगर इलाके में हॉस्टल में रह रहा था। शुक्रवार की रात उसने हॉस्टल की छठी मंजिल की बालकनी से छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया था। सुसाइड से पहले उसने कमरे की अंदर की कुंडी लगाई और बालकनी में लगे नेट को काटकर कूद गया था। घटना के बाद स्टूडेंट को हॉस्टल संचालक निजी हॉस्पिटल लेकर गए थे। विवेक दीपावली पर घर गया था। 4 नवंबर को ही कोटा आया था। परिजनों ने आरोप तो नहीं लगाए लेकिन जांच की मांग की है। पिता ने बताया है कि बच्चा कभी-कभी फोन करके मन नहीं लगने की बात कहता था।

विवेक के पिता इंद्रदेव कुमार ने कहा कि मैं रोज सुबह साढ़े छह बजे उसे फोन करता था। उठकर क्लास जाने के लिए कहता था। एक दिन पहले शुक्रवार सुबह फोन लगाया था। उसने फोन नहीं उठाया। उसने मैसेज किया क्लास जाना है। आज वहीं पढ़ूंगा। फिर दोपहर दो बजे करीब बात हुई। उससे पूछा पढ़ाई कैसी चल रही है। बेटे ने कहा ठीक चल रही है। केवल 5 से 10 मिनट बात हुई थी। इसके बाद शुक्रवार देर रात पुलिस की तरफ से सुसाइड की सूचना मिली। पिता ने बताया कि विवेक पढ़ाई में अच्छा था। खुद अपनी इच्छा से अप्रैल महीने में कोटा आया था। 11वीं के साथ-साथ जेईई की तैयारी कर रहा था। उसने तनाव जैसी कोई बात नहीं बताई। कोचिंग की तरफ से कोई चूक नहीं हुई है। कोचिंग तो सिस्टेमेटिक चलता है। लड़का अगर क्लास में नहीं जाएगा तो हमारे पास मैसेज आ जाएगा। उससे समझ जाते हैं लड़का क्लास अटेंड नहीं कर रहा। मेरा बेटा पढ़ाई में अच्छा था। उसे पढ़ाई से कोई टेंशन नहीं थी। पता नहीं उसने कैसे ऐसा कदम उठा लिया।

चाकूबाजी में युवक घायल

टोक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र के चूली रपटे के पास बरवास क्षेत्र में दो पक्षों में आपसी कहासुनी इतनी बढ़ गई कि चाकूबाजी की घटना घठित हो गई। मेहन्दवास थानाधिकारी रामजीलाल ने बताया कि दोपहर में फोन से सूचना मिली दो पक्षों में आपस में विवाद हो गया, जिसमें दोनों पक्षों में आपस में कहासूनी हुई, जिसमें टोंक निवासी मोहसिन पुत्र इकराम खान निवासी मेहंदी बाग कायमखानियों की गली थाना कोतवाली जिसके आपसी कहासूनी में 10-15 लोगो ने चाकू से वार कर घायल कर दिया, जिसको मेहंदवास थाना पुलिस ने घायल अवस्था में टोंक सआदत हॉस्पिटल भेजा, जहां चिकित्सकों द्वारा उपचार जारी है। हमलावरों की तलाश की जा रही है। युवक ने 10-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये हेरोइन मंगवाने वाला हैंडलर गिरफ्तार

- **आरोपी ने बताया कि उसने 16 अक्टूबर को चार बार में दो किलो हेरोइन पाकिस्तान से मंगवाई थी**
- **आरोपी को एक बार हेरोइन मंगवाने के लिए 50 हजार रुपए देने का लालच दिया जाता था**

श्रीगंगानगर, (निसं)। करीब एक माह पहले 16 अक्टूबर को भारतीय सीमा में ड्रोन मिलने के मामले में हिंदुमलकोट पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने माना है कि उसने 16 अक्टूबर को चार बार में दो किलो हेरोइन पाकिस्तान से भारतीय सीमा में मंगवाई थी।

इस हेरोइन को पंजाब सप्लाई कर दिया। हेरोइन लेकर जब चौथी बार ड्रोन भारतीय सीमा में आया तो इसकी कनेक्टिविटी टूट गई और यह भारतीय सीमा में गिर गया। इसके चार दिन बाद तस्कर ने एक बार फिर दो किलो हेरोइन मंगवाई और इसे भी पंजाब सप्लाई कर दिया। आरोपी को एक बार हेरोइन मंगवाने के लिए 50 हजार रुपए देने का लालच दिया जाता था। उसे 16 अक्टूबर की रात हेरोइन रिसीव करने और इसे पंजाब पहुंचाने की एवज में बीस हजार रुपए एडवांस दिए गए थे।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी गांव चार सी ओड़की का रहने वाला गुरमेज सिंह पुत्र जीतसिंह है। आरोपी ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाकर इसे पंजाब में सप्लाई करने वाले तस्करों की मजबूत कड़ी के रूप में काम कर रहा था। आरोपी की पंजाब में रिश्तेदारियां हैं। आरोपी ने 16 अक्टूबर की रात गांव चार सी ओड़की में एक लॉकेशन तय की और वहां चार बार में हेरोइन के आधा-आधा किलो के चार पैकेट मंगवाए। चौथी बार लौटते समय ड्रोन की कनेक्टिविटी टूट गई और यह भारतीय सीमा में गिर गया। तस्करों ने इसके बाद भी तस्करी जारी रखी। इन लोगों ने बीस अक्टूबर की रात एक बार फिर दो किलो हेरोइन भारतीय सीमा में मंगवाई। तस्करी में चार और लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। इनमें दो पकड़े गए आरोपी गुरमेज के रिश्तेदार हैं। दो अन्य अज्ञात हैं। सौलह अक्टूबर की रात गुरमेज और चार अन्य आरोपी पैकेट उठाकर ओड़की में गुरमेज के घर चले और सुबह अन्य चारों आरोपी अपने वाहनों से पंजाब चले गए। बीएसएफ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उन्होंने घटना होने के समय एक माह पहले ही एफआईआर दर्ज करवा दी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बधाई लेने के क्षेत्राधिकार को लेकर किन्नरों में विवाद

बयाना, (निसं)। बधाई लेने के क्षेत्राधिकार को लेकर बयाना कस्बे में किन्नरों के दो गुट आपस में भिड़ गए।

- **झगड़े में तीन किन्नर घायल, एक पक्ष ने मामला दर्ज कराया**

बीच सड़क पर किन्नरों में लात-घूसे चलते देख लोगों की भी भीड़ जमा हो गई। इस झगड़े में तीन किन्नर चोटिल हो गए। घटना को लेकर एक पक्ष की ओर से पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

बयाना कस्बे में रहने वाले किन्नरों के समूह की मुखिया पूनम मौसी ने बताया कि हिंडौन कस्बे के सात-आठ किन्नरों का एक समूह बयाना में आकर शादी विवाह वाले परिवारों से शगुन की बधाई की बक्शीश ले रहा था, जिन्हें उनके क्षेत्राधिकार में आकर लोगों से गलत तरीके से बधाई लेने से मना किया। इस पर हिंडौन से आए किन्नरों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। हमले में उनके ग्रुप की किन्नर बेबी सहित दो अन्य चोटिल हो गईं। आसपास के लोगों ने बमुश्किल उन्हें हिंडौन के किन्नरों से छुड़ाया। पुलिस को सूचना देने पर हिंडौन के किन्नर अपनी फोर व्हीलर गाड़ी से भाग गए। पुलिस ने बताया कि किन्नरों के दो ग्रुपों में आपस में झगड़े की सूचना मिली है, जिस पर पीड़ित पक्ष की ओर से मामला दर्ज कराया गया है।

स्मैक बेचने वाली महिला गिरफ्तार

लांगरा थाना पुलिस ने स्मैक तस्कर महिला सुनीता को गिरफ्तार किया।

करौली, (निसं)। लांगरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक की पुड़िया बनाकर बेचने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

लांगरा थाना अधिकारी वासुदेव बसवाल ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए महिला सुनीता (40) पत्नी कल्लू उर्फ हरकेश मीणा निवासी करसाई थाना मामचारी को उसके मकान से गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला का स्मैक बिक्री क्षेत्र करौली, कैलादेवी, सपोटरा तक रहता है जिससे ग्राहकों के बारे में पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि महिला हैड कांस्टेबल सुनीता, कांस्टेबल केसंती, सरोज, मनीष, जितेंद्र सरकारी जीप के साथ थाने से मामचारी गांव में एक मुकदमे में वांछित आरोपी की तलाश करते हुए पहुंचे, जहां स्मैक तस्कर सुनीता मौजूद मिली। आरोपी महिला को उसके मकान से दस्तयाब कर मामचारी लाया गया, जिसके बाद अनुसंधान में पूछताछ के मुकदमे में उसे गिरफ्तार कर मादक पदार्थ के संबंध में अनुसंधान जारी है।

सलूम्बर उपचुनाव में हार के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता उदास : रघुवीरसिंह मीणा

- **बीएपी के जितेश कटारा ने कहा कि प्रशासन ने भाजपा के दबाव में काम किया**
- **जितेश कटारा ने इसके विरोध में हाईकोर्ट जाने के भी चेतावनी दी**

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर उपचुनाव में कांग्रेस की हार पर कांग्रेस नेता और टिकट के प्रबल दावेदार रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि सलूंबर में आजादी के बाद कांग्रेस की कभी जमानत जब्त नहीं हुई, लेकिन उपचुनाव में जो हुआ उससे हमारा कार्यकर्ता बहुत उदास है। वहीं बीएपी के जितेश कटारा ने कहा कि प्रशासन ने भाजपा के दबाव में काम किया, उन्होंने इसके विरोध में हाईकोर्ट जाने के भी चेतावनी दी ।

मीणा के अनुसार आजादी के बाद कभी कांग्रेस की यहां जमानत जब्त नहीं हुई। 1977 के माहौल में भी यह नौबत नहीं आई है। इस चुनाव में कांग्रेस के नाम पर मात्र 26 हजार वोट आए और जमानत जब्त हो गई। मीणा ने कहा कि रेशमा मीणा जिन्होंने कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार रघुवीर मीणा (मेरे) सामने बागी होकर मुझे चुनाव हराया, उसको टिकट दिलाने वाले क्या महसूस कर रहे हैं यह तो नहीं पता, पर हम उदास है। मीणा ने कहा कि जिन्होंने टिकट दिलाया, उनकी जिम्मेदारी तय हो और टिकट की पैरवी करने वाले कौन-कौन हैं उनसे भी पूछा जाना चाहिए। मीणा ने कहा कि जो गिनती के लोगों को लेकर यहां चुनावी कमान संभाल रहे थे, उनको भी देखना चाहिए। मीणा ने कहा कि पार्टी के पिछले चुनावों और आज के परिणाम में जो वोट घटा है, उससे कार्यकर्ता बहुत निराश है और आने वाले समय में पंचायतीराज चुनाव होने वाला है।

जानकारी के अनुसार सलूंबर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रेशमा मीणा की जमानत जब्त हो गई है। रेशमा को कुल 26760 वोट मिले हैं। जमानत जब्त के होने से बचने के लिए 1/6 फीसदी वोट हासिल करने होते हैं। इधर सलूंबर विधानसभा उप चुनाव को लेकर भारत आदिवासी पार्टी के जितेश कटारा ने रिटर्निंग अधिकारी पर्वत सिंह के समक्ष रिकाउंटिंग की मांग की लेकिन उनकी मांग को खारिज कर दिया गया था। हार के बाद बाप के प्रत्याशी जितेश कटारा फूट-फूट कर रोए। बीएपी के नेताओं ने प्रशासन पर कई सवाल उठाए।

धरियावद विधायक थावरचंद ने कहा कि प्रशासन ने इस उपचुनाव में भाजपा का पट्टा पहनकर काम किया। जितेश ने रिकाउंटिंग की गुहार लगाई लेकिन किसी ने नहीं सुनी। बाप के उम्मीदवार जितेश कटारा ने कहा कि कलेक्टर, आर.ओ. सबने मिलीभगत से मुझे हराया है। मैं गुहार लगा रहा था। मैंने रिकाउंटिंग का आवेदन दिया लेकिन मेरी नहीं सुनी। उन्होंने आरोप लगाया कि आरओ ने बीजेपी का एजेंट बनकर काम किया, मनमानी की गई है। मैंने रिकाउंटिंग की मांग में देरी नहीं की, हम हाईकोर्ट जाएंगे।

बाइक व टैंकर की टक्कर में युवक की मौत

बुआ की अन्त्येष्टि में शामिल होने जा रहा था युवक

निवाई, (निसं)। अपनी बुआ का देहांत होने की सूचना पर अंत्येष्टि में शरीक होने के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर जयपुर से अपने गांव कनापुर जिला श्योपुर मध्यप्रदेश जा रहे एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई की मोर्चरी में रखवाया।

दत्तवास थानाधिकारी कालूराम मीणा ने बताया कि रविवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 11 ए पर गांव हिंगोनिया मोड़ के समीप बाइक को एक टैंकर ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को निवाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। उन्होंने बताया कि मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड व डायरी में लिखे हुए मोबाइल से उसकी पहचान की गई। उन्होंने बताया कि मृतक राजू बैरवा पुत्र बालकिशन बैरवा अपनी बुआ के दाह संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहा था। रविवार को मृतक के परिजन निवाई के राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपूर्द कर दिया।

कोटा से ग्वालियर तक परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलेगी

कोटा, (निसं)। परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा कोटा से ग्वालियर के मध्य दो स्पेशल ट्रेनों को एक-एक ट्रिप चलाया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09801 कोटा से सोमवार, 25 नवम्बर को एवं गाड़ी संख्या 09802 ग्वालियर से मंगलवार, 26 नवम्बर को संचालित होगी।

इस गाड़ी में 6 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी कोच, 1 एसएल आर एवं 1 जनरेटर कार वाले कोच होंगें। गाड़ी संख्या 09803 कोटा से बुधवार, 27 नवम्बर को एवं गाड़ी संख्या 09804 ग्वालियर से गुरूवार, 28 नवम्बर को संचालित होगी।

इस गाड़ी में 7 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी कोच, 1 एसएल आर एवं 1 जनरेटर कार वाले कोच होंगे। उक्त दोनों परीक्षा स्पेशल ट्रेन कोटा से रात 21.25 बजे प्रस्थान कर बारां 22.13 बजे आगमन, छबरा गुगोर 23.00 बजे आगमन, रूठियाई 00.05 बजे आगमन, गुना 00.30 बजे आगमन, अशोकनगर 01.30 बजे आगमन, बीना 03.40 बजे आगमन एवं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई (झांसी) 07.05 बजे आगमन कर अगले दिन सुबह 09.25 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में यह परीक्षा स्पेशल ट्रेन ग्वालियर से सुबह 10.25 बजे प्रस्थान कर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई (झांसी) दोपहर 13.20 बजे, बीना 18.00 बजे, अशोकनगर 19.45 बजे, गुना 21.05 बजे, रूठियाई 21.50 बजे, छबरा गुगोर 22.31 बजे बारां 22.43 बजे आगमन कर रात 02.00 बजे कोटा पहुँचेगी। यह स्पेशल गाड़ी दोनों दिशाओं में कोटा-ग्वालियर के बीच बारां, छबरा गुगोर, रूठियाई, गुना, अशोकनगर, बीना एवं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई (झांसी) स्टेशनों पर रूकेगी। इन परीक्षा स्पेशल ट्रेनों के वातानूकूलित कोच लाक अवस्था में संचालित होंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि कोटा-ग्वालियर परीक्षा स्पेशल ट्रेन संचालन से परीक्षाथियों को लाभ मिलेगा। इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीईएस अथवा रेल मदद 139 से प्राप्त करें।

व्यापारी पर हमला करने वाली गैंग का मुख्य सरगना गिरफ्तार

घटना के बाद से लगातार फोन पर व्यापारी को धमकी देकर फिरौती की मांग कर रहा था आरोपी

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने व्यापारी पर जानलेवा हमला करने वाली गैंग के मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से लगातार फोन पर व्यापारी को धमकी देकर फिरौती की मांग कर रहा था। आरोपी से पूछताछ जारी है तथा उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह आई.पी.एस. के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा व वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी साकेत नगर बलभद्र सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में ब्यावर के बड़े व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर फिरौती मांगने के प्रकरण में मुख्य आरोपी तरुण सिंह चौहान (27) पुत्र बाबू सिंह रावत, निवासी बाड़िया अजबा, ग्राम पंचायत कोटडा को गठित टीम ने लगातार पीछा करते हुए हैदराबाद से दस्तयाब कर थाने लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार 31 अक्टूबर को थाना साकेत नगर में नरेन्द्र झंवर ने एक रिपोर्ट देते हुए बताया कि वो 30 अक्टूबर को शाम आठ बजे के आसपास अपने मिलने वाले के यहां जा रहा था। तभी जवाहर भवन के पास तरूण सिंह ने अपने कुछ दोस्तों के साथ आकर मुझे रोक कर कहा कि गोल्डी बॉस के 10 लाख रूपये नहीं दिये, अब मरने के लिये तैयार हो जाओ और फिर सभी ने मिलकर प्रार्थी पर हमला कर दिया जिसमें बीच बचाव के दौरान उसके साथी को भी चोटें आईं। मारपीट के बाद तरूण ने उसकी सोने की चेन व 35 हजार रूपये नगद लूट लिये। आसपास भीड़ आ जाने से धमकी देते हुए अपने साथियों के साथ तरूण वहां से भाग गया। आरोपी व उसके साथियों के विरूद्ध थाना साकेत नगर में प्रकरण दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि गोल्डी उर्फ देवेन्द्र पाल सिंह ने व्यापारी से रूपयों की वसूली के लिये तरूण सिंह को सुपारी दी थी और तरूण सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर व्यापारी पर जानलेवा हमला किया व उसके साथ लूटपाट की।

जिला साइबर सैल व साकेत नगर टीम ने मुख्य आरोपी तरुण सिंह चौहान को गिरफ्तार किया।

- **आरोपी घटना के बाद लगातार अपने छिपने के ठिकाने बदल रहा था, जिला साइबर सैल व साकेत नगर टीम ने धर दबोचा**
- **जांच में पता चला कि गोल्डी उर्फ देवेन्द्र पाल सिंह ने व्यापारी से रूपयों की वसूली के लिये तरूण सिंह को सुपारी दी थी**

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी के बारे में सूचना देने वाले या उसको पकड़वाने वाले को पांच हजार रूपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई। आरोपी तरूण व उसके अन्य साथियों की तलाश शुरू की गई और पुलिस टीम ने लगातार तरूण के छिपने के ठिकानों का पता लगाया। मुखबिरों से जानकारी प्राप्त कर योजना बनाकर कई स्थानों पर दबिश दी। शातिर आरोपी लगातार अपने छिपने के ठिकाने बदलता रहा था व अलग-अलग स्थानों से व्यापारी को धमकियां देता रहा। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पीछा करते हुए हैदराबाद से इनामी आरोपी व गैंग के मुख्य सरगना तरूण सिंह को दस्तयाब कर थाने लाये जिसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।